मंगलवार
03 मई 2022

पृष्ठ 4

कपड़े पर लगे पसीने के दाग को छुड़ाने के लिए अपनाएं ये तरीके

पृष्ठ 5

अजय देवगन का गुस्सा देख साउथ एक्टर ने मांगी माफ़ी!

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 94
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण के कारखाने हैं और अध्यापक उन्हें बनाने वाले कारीगर हैं।

– रवींद्र

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट खुले

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। मां गंगा और मां यमुना के जयकारों और बैंड बाजों की धुनों के बीच मंत्रोच्चारण व पारंपरिक रीति नीति के साथ आज गंगोत्री धाम और यमुनोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनों के लिए खोल दिए गए हैं।

तय कार्यक्रम के अनुसार बीते कल अपने शीतकालीन प्रवास स्थल मुखवा से रवाना हुई मां गंगा की चल विग्रह डोली कल शाम भैरव घाटी पहुंच गई थी जहां से आज सुबह मां गंगा की डोली वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ अपने

❑सैकड़ों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर कमाया पुण्य
❑चार धाम यात्रा का आगाज, श्रद्धालुओं में हर्ष

धाम रवाना हुई जहां पर समय 11.15 बजे मंदिर के कपाट खोले गए और मां गंगा को गद्दी नशीन किया गया। उधर आज सुबह अपने शीतकालीन प्रवास खरसोली से मां यमुनोत्री की डोली गाजे बाजे के साथ धाम को रवाना हुई। डोली की विदाई के समय स्वयं आगे भाई शनि देव सोमेश्वर महाराज भी उनके साथ यमुनोत्री धाम पहुंचे। मां गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही आज से विधिवत रूप से चारधाम यात्रा का आगाज भी हो गया है। इस दुर्लभ संयोग के आज सैकड़ों श्रद्धालू साक्षी बने। दोनों धामों में सीएम धामी ने प्रधानमंत्री मोदी के नाम की पहली पूजा कराई गई।

ग्रीष्मकालीन के 6 माह के लिए माँ गँगा जी की भोगमूर्ति एक भव्य उत्सव डोली में बैठकर हजारों श्रद्धालुओं के साथ गाजे बाजों व सेना की बैंड धुन के साथ गंगोत्री के लिए अक्षय तृतीया के एक दिन पहले गंगोत्री तीर्थ के लिए रवाना होती हैँ। इस दिन माँ गंगा जी की यात्रा भैरों घाटी के भैरव मंदिर में विश्राम करती हैं।

अक्षय तृतीया को सुबह यात्रा भव्य व विशाल जनसमूह के साथ अपने गंतव्य

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

तीन दिवसीय दौरे पर उत्तराखंड पहुंचे योगी

❑गुरु अवैध नाथ की प्रतिमा का किया अनावरण
❑पैतृक गांव जाकर मां और परिजनों से मिले
❑सीएम पुष्कर सिंह धामी भी रहे उनके साथ

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज दोपहर ढाई बजे अपने तीन दिवसीय उत्तराखंड दौरे पर दून जौली ग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उनका स्वागत किया। तथा यहां से वह पौड़ी के यमकेश्वर रवाना हो गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज यहां से यमकेश्वर तहसील के विद्ययानी स्थित गुरु गोरखनाथ विश्वविद्यालय पहुंचे और अपने गुरु अवैध नाथ की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, शिक्षा मंत्री धनसिंह रावत, सतपाल महाराज व तीरथ रावत भी उनके साथ रहे। इस अवसर पर कालेज प्रांगण में उन्होने एक जनसभा को भी योगी आदित्यनाथ द्वारा संबोधित किया गया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी आदित्यनाथ पहली बार अपने पैतृक गांव पंचूर पहुंचे हैं जहां उनकी मां सावित्री देवी रहती हैं। पिता की मृत्यू के बाद अपनी मां से पहली बार मिलने पर वह और उनके परिजन भावुक दिखे। 22 साल की उम्र में गांव छोड़ कर योगी पथ के राही बने योगी आदित्यनाथ ने सफलता की तमाम सीढ़ियां चढ़ने में सफलता हासिल की है। शासकीय कामों में व्यस्त रहने और कोरोना की दूसरी लहर से जूझते मुख्यमंत्री योगी अपने पिता आनंद बिष्ट के निधन पर भी उनके अंतिम दर्शन के लिए नहीं आ सके थे।

यह पहला मर्तबा है कि मुख्यमंत्री योगी सीएम बनने के बाद पहली बार अपने पैतृक गांव व घर पहुंचे हैं। इस अवसर पर गांव व क्षेत्र वासियों ने उनका भव्य स्वागत किया। उनके भाई और बहनों के अलावा आज उनके आवास पर उनके तमाम नाते रिश्तेदार भी मौजूद थे। आज उनके भाई के बेटे का मुंडन संस्कार भी था सीएम योगी आज अपने पैतृक गांव में रात्रि विश्राम करेंगे।

जोधपुर हिंसा मामले में तीन गिरफ्तार

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में सोमवार देर रात हुई हिंसा मामले में राजस्थान पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि झंडा लगाने को लेकर सोमवार देर रात सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया और इस दौरान पथराव में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस बल की तैनाती से हालात पर काबू पा लिया गया लेकिन मंगलवार को ईद की नमाज के बाद तनाव फिर बढ़ गया। पुलिस ने बताया कि कुछ लोगों ने जालोरी गेट के पास के इलाके में पथराव किया जिसमें कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का गृहनगर है, उन्होंने लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की है।

मिली जानकारी के अनुसार इस विवाद की शुरुआत सोमवार आधी आधी रात के बाद हुई जब अल्पसंख्यक समुदाय के कुछ सदस्य ईद के मौके पर जालोरी गेट के पास एक चौराहे पर धार्मिक झंडे लगा रहे थे। इसमें कहा गया है कि लोगों ने चौराहे में स्थापित स्वतंत्रता सेनानी बालमुकुंद बिस्सा की प्रतिमा पर झंडा लगाया जिसका हिंदू समुदाय के लोगों ने विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां परशुराम जयंती पर लगाए गए भगवा ध्वज को हटाकर इस्लामी ध्वज लगा दिया, इसको लेकर दोनों समुदाय के लोग आमने सामने आ गए और झड़प हो गई। आज फिर ईद की नमाज के बाद कुछ लोग इकठ्ठा हुए और एक बार फिर से पत्थरबाजी शुरू हुई। पुलिस ने स्थिति को काबू करने के लिए एक बार फिर से लाठीचार्ज किया और हालत पर काबू पाया।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2568 केस दर्ज हुए , 20 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली । देश में कोरोना महामारी के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ रह हैं जो कि चिंताजनक है। हालांकि पिछले २४ घंटे के मुकाबले आज ५८६ केस कम दर्ज किए गए हैं। बता दें कि, देश में कुछ दिनों से तीन हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं कल भी ३,१५७ मामले सामने आए थे।

हालांकि आज थोड़ी राहत देखने को मिली है। देश में अब उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर १६ हजार १३७ रह गई है। देश में पिछले २४ घंटे में २ हजार ५६८ केस दर्ज हुए हैं जिसके बाद संक्रमण के कुल मरीजों की सख्या ४,३०,८४,६१३ हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के २,५६८ नए मामले सामने आए हैं। वहीं, २० और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर ५,२३,८८६ हो गयी है।

देश में कोविड–१६ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर १६,१३७ हो गई है, जो कुल मामलों का ०.०४ प्रतिशत है। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर ६८.७४ प्रतिशत है। अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर ०.६१ प्रतिशत और साप्ताहिक दर ०.७१ प्रतिशत है। देश में अभी तक कुल ४,२५,४१,८८७ लोग कोविड से संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–१६ से मृत्यु दर १.२२ प्रतिशत है।

यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसएसई) ने मंगलवार सुबह नए अपडेट में बताया कि वर्तमान वैश्विक मामलों, और कोविड से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर क्रमशः ५१४,०६०,६५६, और ६,२३७,७७५ हो गई है। वहीं टीकाकरण की कुल संख्या बढ़कर ११,३१८,६४१,५२८ हो गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

झंडा ऊंचा रहे हमारा

अपने बचपन से ही हर हिंदुस्तानी अपने राष्ट्रीय पर्वों पर यह गीत सुनकर बड़ा होता है 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' जी हां हम आज उसी तिरंगे (राष्ट्रीय ध्वज) की बात कर रहे हैं जिसकी आन-बान और शान पर हमने हंसते-हंसते अपने सर कटवा दिए हैं। आप सोच रहे होंगे आज तो कोई राष्ट्रीय पर्व नहीं है फिर आज तिरंगे की बात क्यों? जी हां आज राजस्थान के जोधपुर में जालोरी गेट पर तिरंगा फहराते हुए देखकर तिंरगे की चर्चा करना लाजमी हो गया। यहां आपको यह बताना भी लाजमी है कि जालोरी गेट पर आज तिरंगा किन परिस्थितियों में फहराया गया दरअसल बीते कल परशुराम जयंती पर कुछ हिंदू संगठनों द्वारा भगवा झंडा लगा दिया गया था लेकिन बीती रात कुछ मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा इसे हटा कर यहां इस्लामी झंडा लगा दिया गया लेकिन आज सुबह इस्लामिक झंडे को हटाकर फिर यहां भगवा झंडा लगा दिया। इसे लेकर रात में दोनों समुदायों के बीच टकराव की स्थिति पैदा हो गई लेकिन पुलिसकर्मियों ने समझा-बुझाकर मामला शांत कर दिया। सुबह ईद की नमाज के बाद नमाजियों ने यहां फिर उपद्रव खड़ा कर दिया तोड़फोड़ व पत्थरबाजी तथा आगजनी के कारण जोधपुर दंगों से झुलसने लगा। पुलिस एक्शन के बाद दंगाई खदेड़ दिए गए और पुलिस ने यहां लगे सभी झंडो को हटाकर तिरंगा लगा दिया गया। इन दिनों देशभर में जो सांप्रदायिक टकराव की हवा बह रही है जोध पुर की घटना इसकी एक बानगी भर है। जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में आज इसी तरह का मंजर देखा गया। बात चाहे धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकरों हटाने की हो या फिर हिजाब की जिसे लेकर आज यूपी के गाजियाबाद में देखने को मिला। जब यूपी में लाउडस्पीकर हटाए जा रहे थे तब राजस्थान में लाउडस्पीकर लगाए जाने का काम किया जा रहा था। बुलडोजर जिसका चलन यूपी के माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ शुरू हुआ था वह राजस्थान में अतिक्रमण के नाम से होकर मंदिरों को गिराए जाने तक पहुंच गया। कहने को तो इस देश की महानता का कारण अनेकता में एकता को बताया जाता है। लेकिन इस अनेकता पर राजनीतिक दलों द्वारा किस तरह की राजनीति की जाती रही है? यह भी किसी से छुपा नहीं है। तुष्टीकरण की राजनीति ने आज पूरे देश और समाज को बांट दिया है हजारों आधार तैयार कर दिए गए हैं अभी पंजाब के लुधियाना की घटना भी इसकी ही एक कड़ी भर थी। देश एक, झंडा एक, समाज एक, लेकिन विभेद अनेक। पुलिस ने जोधपुर में अब जो तिरंगा लगाया गया है किसी की मजाल नहीं जो एक बार उसकी ओर आंख उठाकर देख भी ले, उखाड़ने की बात तो बहुत दूर की चीज है। देश के नेताओं को तुष्टीकरण की राजनीति से बाज आना चाहिए। सवाल यह है कि देश के नेता कब तक देश के लोगों को लड़ाते रहेगें और हम लड़ते रहेंगे।

भारत कैसे बने चिकित्सा का विश्व-केंद्र?

वेद प्रताप वैदिक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को विश्व स्तरीय बनाने के लिए गुजरात के जामनगर से एक नए अभियान का सूत्रपात किया। उन्होंने कहा है कि भारत के इस आयुष-अभियान में आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपेथी आदि सभी पारंपरिक चिकित्साओं का योगदान होगा। इन चिकित्सा पद्धतियों को विश्वव्यापी बनाने के लिए कुछ नए कदम भी उठाए जाएंगे, जिसका नाम होगा- आयुष वीज़ा। यहां मेरा सुझाव यह है कि इस आयुष-वीजा का शुल्क सामान्य वीज़ा शुल्क से आधा क्यों नहीं कर दिया जाए? पड़ौसी देशों के लाखों-करोड़ों नागरिक इस पारंपरिक चिकित्सा के मुरीद हैं। यह चिकित्सा एलोपेथी के मुकाबले बहुत सस्ती है। इसका लाभ पड़ौसी देशों के मध्यम और गरीब वर्ग के लोग भी उठा सकें, इसका इंतजाम भारत सरकार को करना चाहिए। पड़ौसी देशों के जिन लोगों का भारत में सफल इलाज होता है, वे और उनके परिवार के लोग सदा के लिए भारतभक्त बन जाते हैं। यह बात मैं अपने अनुभव के आधार पर कह रहा हूं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि हमारी औषधियों पर सरकार एक 'आयुष चिन्ह' भी जारी करेगा, जो उनकी प्रामाणिकता की गारंटी होगी। भारत की पारंपरिक औषधियों का प्रचलन सभी पड़ौसी देशों में लोकप्रिय है। यहां तक कि चीन में भी ऐसी भारतीय औषधियां मैंने देखी हैं, जिनके नाम चीनी वैद्यों ने अभी तक मूल संस्कृत में ही रखे हुए हैं। हमारी आयुष औषधियों का व्यापार पिछले 7 वर्षों में तीन अरब से बढ़कर 18 अरब डॉलर का हो गया है। इस क्षेत्र में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण का योगदान अपूर्व और अतुलनीय है। यदि केरल की तरह भारत के हर जिले में ऐसे पारंपरिक चिकित्सा केंद्र खुल जाएं तो भारत की आमदनी खरबों डॉलर तक पहुंच सकती है। चिकित्सा-पर्यटन की दृष्टि से भारत दुनिया का सबसे बड़ा केंद्र बन सकता है। भारत में लाखों-करोड़ों नए रोजगार पैदा हो सकते हैं। ऐसे आयुष-केंद्र सभी पड़ौसी देशों में भारत खोल सकता है। सात साल बीत रहे हैं लेकिन जो काम अभी तक अधूरा पड़ा हुआ है, सरकार उसे भी पूरा करने की ठान ले तो सारे विश्व में भारत का डंका बजने लगेगा। मैंने अपने पहले और दूसरे स्वास्थ्य मंत्री श्री ज.प्र. नड्डा और डॉ. हर्षवर्द्धन से अनुरोध किया था कि वे एलोपेथी समेत सभी पेथियों को मिलाकर चिकित्सा का नया पाठ्यक्रम तैयार करवाएं और मेडिकल की पढ़ाई भारतीय भाषाओं के जरिए हो।

कॉरपोरेट की जेब में 'आजादी'

एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदने के लिए 52 बिलियन डॉलर की रकम आगे कर दी है। फिलहाल, ट्विटर के मौजूदा मालिक मस्क की मंशा को नाकाम करने में जुटे हुए हैं। मस्क ने हाल ही में ट्विटर की करीब 9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी। फिर उन्होंने पूरी कंपनी खरीदना का प्रस्ताव रखा।

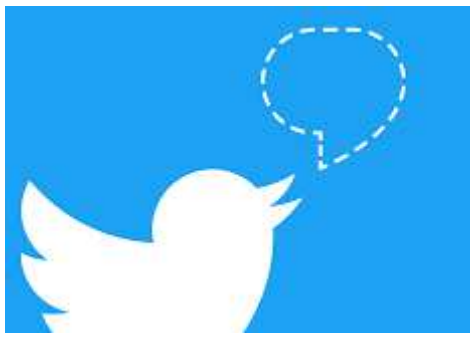

कॉरपोरेट नियंत्रित सोशल मीडिया की आजादी का भ्रम तभी टूटना लगा था, जब सोशल मीडिया कंपनियों ने अमेरिकी शासक वर्ग की इच्छा के मुताबिक राजनीतिक आवाजों को दबाना शुरू कर दिया। सबसे पहले जो हाई प्रोफाइल शख्सियत इसका निशाना बनी, वे डॉनल्ड ट्रंप थे। फिर यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद जिस तरह रूस की बात रखने वाली आवाजों को तमाम सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स से बाहर किया गया, उससे भी यही संकेत मिला कि कॉरपोरेट जगत के हाथ में सोशल मीडिया आजाद नहीं है। अब आजादी की पोल अरबपति एलन मस्क ने खोली है। उन्होंने ट्विटर को खरीदने के लिए 52 बिलियन डॉलर की रकम आगे कर दी है। फिलहाल, ट्विटर के मौजूदा मालिक मस्क की मंशा को नाकाम करने में जुटे हुए हैं। दुनिया के सबसे अमीर शख्स मस्क ने हाल ही में ट्विटर की करीब 9 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी थी। इसके बाद उन्होंने पूरी कंपनी खरीदने के लिए भी एक प्रस्ताव दिया। तब ट्विटर कंपनी के बोर्ड ने एक नई योजना बनाई, जिससे कंपनी में 15 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी खरीदना किसी एक शख्स या संस्था के लिए काफी मुश्किल हो जाएगा।

इस योजना को प्वायजन पिल नाम दिया गया है। मस्क ने ट्विटर को करीब 43 अरब डॉलर की मार्केट वैल्यू पर खरीदने की पेशकश की थी। उसे कंपनी बोर्ड ने अस्वीकार कर दिया। तब मस्क ने कहा कि वे इस खरीदारी पर 52 बिलियन डॉलर खर्च करने को तैयार हैं। बहरहाल, ट्विट ने भले मस्क के प्रस्ताव को फिलहाल ठुकरा दिया है, लेकिन उससे कंपनी के प्रबंधकों में असंतोष पैदा होने के संकेत हैं। इसके जवाब में ट्विटर ने स्पष्ट किया है कि कंपनी बोर्ड को अगर लगता है कि ट्विटर के अधिग्रहण या हिस्सेदारी खरीदने का कोई प्रस्ताव ट्विटर और उसके शेयरधाकरों के हित में है, तो वो उन प्रस्तावों पर विचार कर सकते हैं। साफ है, मस्क की मंशा आगे चल कर पूरी नहीं होगी, यह अभी कोई नहीं कह सकता। प्रश्न यह है कि ट्विटर चाहे अपने मौजूदा प्रबंधकों के अधीन रहे या मस्क उसे खरीद लें, क्या अब वह ये दावा करने की स्थिति में है कि उसका असल मकसद मुनाफा नहीं, बल्कि सार्वजनिक संवाद का मंच मुहैया कराना है। और अगर वह मुनाफे के हिसाब से आवाजों को बढ़ाने या दबाने में शामिल बनी रहती है, तो फिर उसे 'सोशल' मीडिया क्यों कहा जाना चाहिए? (आरएनएस)

विश्व राजनीति का नया दौर

वेद प्रताप वैदिक

चीन के राष्ट्रपति शी चिन फिंग यूक्रेन के सवाल पर अब भी रूस का साथ दिए जा रहे हैं। वे रूस के हमले को हमला नहीं कह रहे हैं। उसे वे विवाद कहते हैं। यूक्रेन में हजारों लोग मारे गए और लाखों लोग देश छोड़कर भाग खड़े हुए लेकिन रूसी हमले को रोकने की कोशिश कोई राष्ट्र नहीं कर रहा है। चीन यदि भारत की तरह तटस्थ रहता तो भी माना-जाता कि वह अपने राष्ट्रहितों की रक्षा कर रहा है लेकिन उसने अब खुले-आम उन प्रतिबंधों की भी आलोचना शुरु कर दी है, जो नाटो देशों और अमेरिका ने रूस के विरुद्ध लगाए हैं।

चीनी नेता शी ने कहा है कि ये प्रतिबंध फिजूल हैं। सारा मामला बातचीत से हल किया जाना चाहिए। यह बात तो तर्कसंगत है लेकिन चीन चुप क्यों है? वह पूतिन और बाइडन से बात क्यों नहीं करता? क्या वह इस लायक नहीं है कि वह मध्यस्थता कर सके? वह तमाशबीन क्यों बना हुआ है? उसका कारण यह भी हो सकता है कि यूक्रेन-हमले से चीन का फायदा ही फायदा है। रूस जितना ज्यादा कमजोर होगा, वह चीन की तरफ झुकता चला जाएगा। चीन आगे-आगे रहेगा और रूस पीछे-पीछे ! रूस की अर्थव्यवस्था इतनी कमजोर हो जाएगी कि मध्य एशिया और सुदूर एशिया में भी रूस का स्थान चीन ले लेगा। शीतयुद्ध के जमाने में अमेरिका के विरुद्ध सोवियत संघ की जो हैसियत थी, वह अब चीन की हो जाएगी। चीन ने संयुक्तराष्ट्र संघ और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रूस के पक्ष में वोट देकर पूतिन के हाथ मजबूत किए हैं ताकि इस मजबूती के भ्रमजाल में फंसकर पूतिन गल्तियों पर गल्तियां करते चले जाएं।

चीन ने यूक्रेन में हो रहे अत्याचारों को भी पश्चिमी प्रचारतंत्र की मनगढ़ंत कहानियां कहकर रद्द कर दिया है। पूतिन का साथ देने में शी ने सभी सीमाएं लांघ दी हैं। वे एक पत्थर से दो शिकार कर रहे हैं। एक तरफ वे अमेरिका को सबक सिखा रहे हैं और दूसरी तरफ वे रूस को अपने मुकाबले दोयम दर्जे पर उतार रहे हैं। हो सकता है कि पूतिन ने जो यूक्रेन के साथ किया है, वैसा ही ताइवान के साथ करने का चीन का इरादा हो। अमेरिका ने जैसे झेलेंस्की को धोखा दे दिया, वैसे ही वह ताइवान को भी अधर में लटका सकता है। यदि अंतरराष्ट्रीय राजनीति इसी पगडंडी पर चलती रही तो विश्व के शक्ति-संतुलन में नए अध्याय का सूत्रपात हो जाएगा। द्वितीय महायुद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति का जो ढांचा बन गया था, उसे पहले सोवियत-विघटन ने प्रभावित किया और अब यूक्रेन पर यह रूसी हमला उसे एकदम नए स्वरुप में ढाल देगा। (आरएनएस)

सं वां कर्मणा समिषा हिनोमीन्द्राविष्णू अपसस्पारे अस्य।
जुषेथां यज्ञं द्रविणं च धत्तमरिष्टैर्नः पथिभिः पारयन्ता।।
(ऋग्वेद ६-६९-१)

हे इंद्र, ऊर्जा के स्वामी और विष्णु, जगत को धारण करने वाले स्वामी ! हम आप की प्रेरणा से उत्तम कर्म करते हैं। हम अपने यज्ञनिक कर्मों में आपको बुलाते हैं। हमें सत्य धन प्रदान करो। हमें कष्ट रहित मार्ग से ले जाकर हमारे जीवन की नैया को भवसागर से पार लगाओ।

O Indra, the lord of energy and Vishnu, the sustainer of the universe ! With your inspiration, we do our noble deeds. We invite you to join us in our Yajanic deeds. Give us true wealth. Take our boat of life across the Bhav Sagar through a trouble-free path.
(Rig Veda 6-69-1)

कार बाजार का आईना

यह देश के उपभोग स्तर में एक तरफ भारी गिरावट को बताता है। एंट्री लेवल के कार वो परिवार खरीदते हैं, जिनके परिवहन का जरिया उसके पहले दोपहिया वाहन थे। यही लोग सस्ती कारें खरीदते हैं। कार बाजार के मौजूदा ट्रेंड का संदेश यह है कि ऐसे लोगों की स्थिति कमजोर पड़ गई है।

भारत के कार बाजार की जो तस्वीर अब सामने आई है, वह असल में भारत की आज की अर्थव्यवस्था का आईना है। खबर यह है कि एंट्री लेवल यानी शुरुआती रेंज की कारों का बाजार तेजी से घट रहा है। 2012 में कुल कार बाजार में इस दर्जे की कारों का हिस्सा आधा था। अब एक तिहाई बचा है। 2016-17 में ऐसी कुल 31 ब्रांड की कारें बाजार में थीं। अब 19 बची हैं। दरअसल, तीन कंपनियों मारुति, हुंदै और टाटा को छोड़ कर बाकी लगभग सभी कंपनियों ने इस सेगमेंट की अपनी कारों को या तो बाजार से समेट लिया है, या समेटने का एलान कर चुकी हैं। दूसरी तरफ एसयूवी कारों का हिस्सा बढ़ा है। तो यह ट्रेंड किस बात का सूचक है? यह असल में देश के उपभोग स्तर में एक तरफ भारी गिरावट और दूसरी तरफ बढ़ती समृद्धि को बताता है। एंट्री लेवल के कार वो परिवार खरीदते हैं, जिनके परिवहन का जरिया उसके पहले दोपहिया वाहन थे। जब उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, तो वे सस्ती कारें खरीदते हैं। कार बाजार के मौजूदा ट्रेंड का संदेश यह है कि ऐसे ग्रोथ की परिघटना कमजोर पड़ गई है। तमाम दूसरे आर्थिक संकेतक इस बात का पहले से संकेत देते रहे हैं। क्रमिक विकास का यह क्रम वर्तमान सरकार के कुछ नीतिगत दुस्साहसों से टूटा।

नोटबंदी, उलझी हुई जीएसटी और कोरोना काल में अचानक- अनियोजित लॉकडाउन ने आम परिवारों की अर्थव्यवस्था को क्षतिग्रस्त कर दिया। उसके बाद हुई रिकवरी अंग्रेजी के अक्षर के जैसी रही है। यानी एक रेखा बिल्कुल ऊपर की तरफ है और दूसरी रेखा नीचे की तरफ। धन का संचयन ऊपर की तरफ होता गया है। (आरएनएस)

गुमशुदा युवती को बरामद कर किया परिजनों के सुपुर्द

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। विगत कई दिनों से लापता युवती को पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद बरामद कर उसे परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 26 अप्रैल को एक व्यक्ति द्वारा थाना बैजनाथ में तहरीर देकर बताया गया कि उनकी पुत्री 24 अप्रैल को बिना बताये घर से कहीं चली गयी है। जो काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिल रही है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल युवती की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गयी। गुमशुदा की तलाश हेतु टैक्निकल टीम द्वारा दी गयी लीड के आधार पर पुलिस ने गुमशुदा युवती को बीते रोज तहसील थराली, जनपद चमोली से सकुशल बरामद कर उसे परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

स्कूटी सवार बदमाशों ने छीना मोबाइल

देहरादून (संवाददाता)। स्कूटी सवार बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सत्तोवाली घाटी बसंत विहार निवासी नाजिम पुत्र शौकत अली ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह जीएमएस रोड से घर की तरफ आ रहा था जब वह बैंक ऑफ बडौदा के पास पहुंचा तभी स्कूटी सवार दो युवक वहां पर आये और उसका रास्ता रोककर उसके हाथ से मोबाइल फोन छीनकर ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुनिकीरेती में 25 वालंटियर संभालेंगे यातायात व्यवस्था

ऋषिकेश। मुनिकीरेती में चारधाम यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था का जिम्मा पुलिस के साथ ही अब २५ युवा वालंटियरों पर रहेगा। ये वालंटियर पुलिस के साथ चौराहों पर यातायात को सुचारु रूप से संचालित करने का काम करेंगे। सोमवार को मुनिकीरेती टिहरी के एडिशनल एसपी राजन सिंह ने उत्तराखंड ट्रैफिक वालंटियर स्कीम का शुभारंभ कर कहा कि चारधाम यात्रा सीजन में सबसे बड़ी चुनौती ट्रैफिक जाम से निपटना है। पुलिस स्थानीय लोगों के साथ ही यात्रियों को भी जाम से निजात दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास में जुटी है। उत्तराखंड ट्रैफिक वालंटियर स्कीम के तहत योग्य युवाओं को यातायात नियमों का दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है। इनमें २५ वालंटियर सेलेक्ट किए गए हैं। ये अब मुनिकीरेती क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को संभालेंगे। यातायात निरीक्षक सिद्धार्थ कुकरेती ने बताया कि शनिवार और रविवार को इन्हें ड्यूटी पर लगाया जायेगा। बताया की वालंटियर को विभाग की ओर से टी–शर्ट और कैप उपलब्ध करवाई गई है।

मकान में आग लगने से लाखों का सामान जला

संवाददाता

देहरादून। शॉट सर्किट से मकान में आग लगने से लाखों का सामान स्वाह हो गया। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच आग पर काबू पाया। मामले में कोई जन हानि नहीं हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रात: सवा चार बजे पर मकान में आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाडियां मौके पर पहुँची। आग मनप्रीत सिंह पुत्र बलवीर सिंह करनपुर नियर डीएवी कॉलेज देहरादुन मकान घरेलू सामान, सोफे, लकड़ी अलमारी, गद्दे, कपड़ो में लगी थी। जिसे फायर सर्विस देहरादून ने पूर्ण रूप से आग को बुझाया गया। कोई जनहानि नही हुई। परिवार द्वारा बताया गया कि वह सब सुबह गुरुद्वारे गये थे। संभवत: आग शार्ट सर्किट से लगी थी।

पूर्व सीएम ने किया क्षत्रिय सदेश का विमोचन

संवाददाता

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा प्रकाशित स्मारिका क्षत्रिय चेतना के 14वें अंक का विमोचन किया।

आज यहां पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने महाराणा प्रताप भवन ननूरखेडा में क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा प्रकाशित स्मारिका क्षत्रिय संदेश के 14वें अंक का विमोचन किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि रावत तथा विशिष्ट अतिथि मेयर सुनील उनियाल गामा ने दीपक प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। त्रिवेन्द्र रावत ने कहा कि क्षत्रिय चेतना मंच समाज सेवा के कार्य लगातार कर रहा है तथा मंच की स्मारिका समाज में जागरूकता फैलाने तथा मंच एवं क्षत्रियों के इतिहास को संजोने का कार्य कर रही है। उन्होंने सम्पादक मंडल तथा मंच की कार्यकारिणी को पत्रिका के लगातार 14 वर्ष तक अनवरल प्रकाशन के लिए मुबारकबाद दी। मंच के केन्द्रीय महामंत्री ठाकुर रवि सिंह एडवोकेट ने बताया कि मंच द्वारा अपनी कार्यकारिणी का विस्तार किया

गया है जिसमें ठाकुर आशोकवर्धन सि ंह को केन्द्रीय कार्यकारणी का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया तथा मंच के युवा प्रकोष्ठ का गठन किया गया जिसमें ठाकुर बलवीर सिंह राव त को युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, राजेश रावत को उपाध्यक्ष ठाकुर अंकित सिंह रौथाण को महासचिव, ठाकुर राजेश राणा सचिव तथा ठाकुर दलीप सिंह को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसके अलावा मंच की रायपुर ब्लाक का भी पुनर्गठन किया गया जिसमें ठाकुर राजीव पंवार को अध्यक्ष मनोनीत किया गया। सभी नवनिर्मित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम का संचालन मंच के प्रवक्ता ठाकुर शशीकान्त शाही एडवोकेट ने किया।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक स्कूटी सवार को हाथी पुल के पास रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर रोक लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने स्कूटी से एक पेटी चार पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम हरीश भण्डारी पुत्र चन्दन सिंह भण्डारी निवासी छिददरवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर वाहन को सीज कर दिया।

वाहन खाई में गिरा, एक की मौत तीन घायल

उत्तरकाशी (हमारे संवाददाता)। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक वाहन के खाई में गिर जाने से जहां एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं तीन अन्य गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर एसडीआरएफ टीम द्वारा मौके पर पहुंच कर मृतक व घायलों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग साढ़े चार बजे उत्तरकाशी पुलिस को सूचना मिली कि नाकुरी नामक स्थान पर एक वाहन खाई में जा गिरा है। जिसमें पांच लोग सवार बताये जा रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा एसडीआरएफ को मामले से अवगत कराया गया। जिस पर एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची जहां टीम को पता चला कि यह वाहन छोटा हाथी है जिसमें पांच लोग सवार थे। जो बोन गांव में हुई शादी समारोह से वापस मालती गांव जा रहे थे। बताया जा रहा है कि जब उक्त वाहन नाकुरी नामक स्थान पर पहुंचा तो चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और वाहन गहरी खाई में जा गिरा। जिसके चलते एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि तीन गम्भीर रूप से घायल हुए है। पता चला कि एक युवक खुद ही खाई से निकलने में सफल हुआ। जिस पर एसडीआरएफ ने रेस्क्यू अभियान चला कर मृतक व घायलों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। वहीं मृतक के शव को जिला पुलिस को सौंप दिया गया है।

सुरेन्द्र जयसवाल हत्याकाण्डः चौकी प्रभारी को हटाने के बाद भी दो माह में हत्या से नहीं हटा पर्दा

संवाददाता

देहरादून। दो माह बाद भी पुलिस सुरेन्द्र जयसवाल हत्याकाण्ड से पुलिस पर्दा नहीं हटा सकी जबकि इस मामले में चौकी प्रभारी को कप्तान ने हटा दिया था उसके बाद भी पुलिस जहां से चली थी वहीं पर खडी है।

उल्लेखनीय है कि दो मार्च की सुबह डालनवाला पुलिस को सूचना मिली कि करनपुर बाजार निवासी वन विभाग के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी सुरेन्द्र जयसवाल का शव उनके कमरे में पडा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने देखा कि सुरेन्द्र जयसवाल की गला घोंटकर हत्या की गयी है। जिस बेल्ट से गला घोंटा गया था वह भी वहीं पडी हुई थी। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी तथा हत्याकाण्ड के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने दावा किया था कि पुलिस की टीमें गठित की गयी है तथा शीघ्र ही घटना का खुलासा कर दिया जायेगा। लेकिन दो तीन दिनों तक पुलिस को कोई सुराग हाथ नहीं लगे तो एसएसपी ने आनन फानन में करनपुर चौकी प्रभारी को हटा कर लोगों का घटना से ध्यान हटाने का काम किया। लेकिन उसके बाद भी दिन बीतते गये और वह हत्याकाण्ड का खुलासा नहीं हो सका। स्थानीय लोगों में भी इस हत्याकाण्ड के बारे में जानने की उत्सुकता है कि किसने बाजार के अन्दर इस प्रकार के हत्याकाण्ड को अंजाम दिया और किसी को दो दिनों तक इसके बारे में पता नहीं चल सका। जब भी पुलिस अधिकारियों से इस हत्याकाण्ड के बारे में जानकारी लेनी चाही तो उनका एक ही जवाब होता कि शीघ्र खुलासा कर दिया जायेगा। अगर किसी अधिकारी से हत्या के कारणों के बारे में जानने की कोशिश की गयी तो वह भी यही जवाब देते ही कारण ही पता लग जायेगा तो हत्या का खुलासा नहीं होगा। इसका मतलब अभी तक पुलिस हत्याकाण्ड के कारणों का भी पता नहीं लगा सकी है कि क्या कारण रहे थे कि हत्यारे को सुरेन्द्र जयसवाल को मारना पडा था। यह अपने आप में एक प्रश्न बनकर रह गया है और दो माह इस प्रश्न का जवाब तलाशने में लग गये लेकिन इसका जवाब अभी तक पुलिस ही नहीं तलाश सकी तो आमजन को कहां से पता चलेगा। अब लोग भी शांत बैठ गये है तथा परिजनों को तो पहले भी सुरेन्द्र जयसवाल से कोई खास मतलब नहीं था और उसके मरने के बाद भी उनको इस मामले में जानने की कोई उत्सुकता दिखायी नहीं देती कि किसने सुरेन्द्र की हत्या की और क्या कारण रहे। इससे तो यहीं दिखायी देता है कि पुलिस अधिकारी अब शांत बैठ गये अगर किसी दिन हत्यारा ही कोई गलती कर दे और पुलिस के हत्थे लग जाये यह एक करिश्मा ही होगा।

मैट्रेस खरीदते समय रखें इन 5 बातों का ध्यान, मिलेगी आरामदायक नींद

दिनभर की भागदौड़ और थकान के बाद अपने कमरे के बिस्तर पर अच्छी नींद से अच्छा और कुछ नहीं होता है, परन्तु ये तभी संभव है जब आपके बेड का गद्दा अच्छा हो।हो सकता है कि बहुतेरे लोगों की तरह आप भी आरामदायक नींद की बात को गंभीरता से न लें। हो सकता है कि आप के लिए भी अनिद्रा कोई छोटीमोटी ही बात हो। लेकिन ऐसा सोचना ठीक नहीं है।अनिद्रा के चार पैटर्न होते हैं, जिस में से एक बिस्तर का ठीक न होना भी है। हमारे स्लीपिंग पैटर्न से ही हमारे शरीर की बाकी कई चीजें निर्धारित होती हैं। स्लीपिंग पैटर्न सही करने के लिए सही मैट्रैस का चुनाव बेहद जरूरी है।यूं तो बाजार में बहुत तरह के मैट्रेस हैं पर उनमें से अपनी जरूरत के मुताबिक गद्दे को चुनना बहुत जरूरी है। आज हम आपको कुछ ऐसे आसान उपाए बताएँगे जिनकी मदद से आप अपने लिए बेहतर मैट्रेस का चुनाव कर सकते है।

सही मौडल चुनें

यह तो हम सभी जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए अच्छा मैट्रैस होना चाहिए। इसलिए बाजार में मैट्रैस खरीदने जा रहे हैं, तो मौडल के बारे में अच्छे से रिसर्च कर के ही जाएं। स्लेटेड बेड बेस मैट्रेस एक अच्छा ऑप्शन है खासतौर पर तब जब आपका मैट्रेस लैटेक्स या फोम है। ये मैट्रेस की वेंटिलेशन, आराम को बढ़ाता है। जो बुलटेक्स और स्प्रिंग मैट्रेस चाहते हैं उनके लिए बॉक्स स्प्रिंग मैट्रेस बिल्कुल बेहतरीन ऑप्शन है।

मैट्रेस का चुनाव डिजाइन और आराम पर निर्भर करता है

डिजाइन मैट्रेस के लिए बॉक्स स्प्रिंग मैट्रेस परफेक्ट विकल्प है। इस मैट्रेस को खुद या फिर इलेक्ट्रिक मोटर के जरिए एडजस्ट किया जा सकता है। ये लेदर, स्प्रिंग और स्लैट्स मॉडल में उपलब्ध है। ये मैट्रेस सोने वाले का 1/3 वजन लेता है। ये उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है जो कमर के दर्द से पीड़ित हैं।

मैट्रैस की क्वालिटी

मैट्रैस पर आराम मैट्रैस के बेस पर निर्भर करता है। इसलिए सुकून भरी नींद सोना चाहते हैं, तो सही बेस वाले मैट्रैस का चुनाव काफी जरूरी है। फोम व जूट के बेस वाले मैट्रैस ज्यादा चलन में हैं। इस के अलावा आप को कमर दर्द की शिकायत है, तो इस से बचने के लिए बड़े साइज का मैट्रैस चुनें।

बजट

निश्चित तौर पर मैट्रेस आपको आराम देता है, अच्छी नींद देता है, लेकिन इसका चुनाव करते समय पैसों का ख्याल रखना भी जरूरी है। मैट्रेस खरीदने से पहले अलग-अलग जगहों से कीमतों की तुलना कर लें। मैट्रेस की कीमतें इसके उपकरण, निर्माता, मॉडल और गुणवत्ता पर निर्भर करता है।

रसोई गैस पर गिरी महंगाई की मार, इन 5 उपायों से चलेगी लम्बे समय तक

महिलाएं ज्यादातर समय किचन में ही गुजारती है। इसलिए उनका ज्यादातर ध्यान चीजों को बचाने या कम खर्च करने की ओर ही रहता है, जोकि होना भी चाहिए। बात अगर संसाधनों की करें तो तेल, पेट्रोल, रसोई गैस, जैसी चीजों का सही इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। रसोई गैस के दाम दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं। इसलिए इसकी बचत करना बहुत जरूरी हो गया हैं। सरकार की और से भी इसकी बचत के लिए समय समय पर जागरूक किया जाता है। हम आपको ऐसे ही कुछ आसान से टिप्स देंगे, जिनकी मदद से आप गैस की बचत आसानी से कर सकते हैं।

– खाना बनाने से पहले सारी सामग्री को तैयार कर लें। उसके बाद ही भोजन पकाना शुरू करें। इसके अलावा बर्तन या तवे को गर्म करते समय ही गैस को फुल मोड पर रखें और उसके बाद स्लो कर दें। क्योंकि खाना पकाने के लिए उतनी उष्मा नहीं चाहिए जितनी बर्तन गर्म करने के लिए चाहिए होती है।

– हमेशा खाने के बनाते समय गैस को मध्य आंच पर रखें। इसके अलावा फ्रिंज या बाजार से लाएं ठंडे प्रदाथों को कुछ देर पहले रख दें ताकि उसका तापमान सही हो जाएं। ऐसे पदार्थों को सीधे गैस पर रखने से इसकी अधिक खपत होती है।

– हमेशा खाने के बनाते समय गैय को मध्य आंच पर रखें। इसके अलावा फ्रिंज या बाजार से लाएं ठंडे प्रदाथों को कुछ देर पहले रख दें ताकि उसका तापमान सही हो जाएं। ऐसे पदार्थों को सीधे गैस पर रखने से इसकी अधिक खपत होती है।

– मैटल के बने बर्तन जैसे स्टेनलैस स्टील में खाना बनाने से भी गैस कम खर्च होती है। धातु या मिट्टी के बर्तनों में खाना बनाने से बचे। यह अधिक गैस खर्च करते हैं।

–भोजन पकाते समय कड़ाही सा पैन की बजाए प्रेशर कुकर का इस्तेमाल करें। इससे खाना जल्दी भी बन जाता है और गैस की बचत भी हो जाती है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कपड़े पर लगे पसीने के दाग को छुड़ाने के लिए अपनाएं ये तरीके

गर्मियों के दौरान पसीना आना सामान्य बात है, लेकिन इसके दाग कपड़ों पर रह जाने बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। खासकर, अगर आप हल्के रंग का आउटफिट पहनते हैं तो इस पर पसीने का पीला दाग दिखाई देने लगता है। वहीं, शर्ट की कॉलर पर पसीने का भूरे रंग का दाग लग जाता है। हालांकि, ऐसे में आप परेशान न होएं क्योंकि कुछ आसान तरीके अपनाकर आप पसीने के दाग कपड़ों से हटा सकते हैं।

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड आएगा काम

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड का इस्तेमाल करके आप बहुत आसानी से कपड़े पर लगे पसीने के दाग साफ कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में एक से दो चम्मच हाइड्रोजन पेरॉक्साइड के साथ एक चम्मच नींबू रस का अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण को कपड़े की दाग से प्रभावित जगह पर लगाकर पांच से सात मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद कपड़े को सामान्य तरीके से धोकर सुखा दें।

सफेद सिरका भी है प्रभावी

कपड़े से पसीने के दाग साफ करने के लिए सफेद सिरके का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले डिटर्जेंट पाउडर में सफेद सिरका मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बनाएं, फिर इसे कपड़े की दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद दाग को ब्रश से रगड़कर पानी से धो दें। अगर दाग हल्का हो गया है तो इस प्रक्रिया को दो से तीन बार दोहराएं।

अमोनिया का घोल है असरदार

अगर आपके किसी कपड़े पर पसीने के दाग लग गए हैं तो इन्हें अच्छे से छुड़ाने के लिए आप अमोनिया के घोल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले अमोनिया के घोल को किसी बोतल में डालकर दाग वाली जगह पर छिड़के, फिर कपड़े को साफ पानी से धो लें। इसके बाद कपड़े को सामान्य तरीके से धोकर हवा में सुखाएं। बता दें कि मार्केट से आपको सही दाम में अमोनिया का घोल आसानी से मिल जाएगा।

लिक्विड डिटर्जेंट की लें मदद

अगर आपके किसी कपड़े पर पसीने का दाग लग गया है तो उसे तुरंत साफ करने की कोशिश करें। कपड़े पर दाग लगने के तुरंत बाद उसे गुनगुने पानी में भिगो दें, फिर कपड़े को पानी से निकालकर इस पर लिक्विड डिटर्जेंट लगाकर 5-1० मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद एक सॉफ्ट ब्रश की मदद से दाग को रगड़कर कपड़े को साफ पानी से धो लें। यकीनन इससे दाग जल्द ही साफ हो जाएगा।

भरी गर्मी में पूल का मज़ा लेती नज़र आई आमिर खान की बेटी

आमिर खान की बेटी आयरा खान सोशल मीडिया पर सक्रीय रहती हैं और वे अपनी पर्सनल लाइफ से फैंस को कनेक्ट रखना बखूबी जानती है.

आयरा अपने पिता आमिर संग खास बॉन्डिंग साझा करती हैं और दोनों की फोटोज सोशल मीडिया पर खूब वायरल होने लग जाती है.

आयरा अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़ी बातें बेबाकी से साझा करती हुई दिखाई देती हैं. वे बोल्ड फोटोज को लेकर कभी-कभी कंट्रोवर्सी में भी रहती हैं लेकिन अभिनेत्री को ट्रोल्स से कोई फर्क नंही पड़ने वाला है. हाल ही में आयरा ने अपनी कुछ लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं जिसमें वे बिकिनी में दिखाई दे रही है.

तस्वीर में वे अपने दोस्तों के साथ हैं और स्विमिंग पूल में चिल करती हुई दिखाई दे रही है. वे और उनकी फ्रेंड ब्लैक कलर की बिकिनी में हैं. दोनों साथ में मस्ती कर रही हैं और पोज देती दिखाई दें रही है. आरया इस बीच काफी खुश हैं. फैंस भी आयरा की तस्वीर देख खुश हो गए हैं और हार्ट इमोजी साझा करने में लगे हुए है. फोटोज के साथ आयरा ने कैप्शन में लिखा- हम लोग स्विम वीयर मॉडल्स भी हो सकते हैं. इस पूल में स्प्लैश करने का यही वर्ष है. वो भी इस गर्मी में.

इस बार की गर्मी ने तो वाकई में सभी को परेशान कर रखा है. मार्च से ही देश के अधिकांश भाग में जमकर गर्मी का कहर देखने के लिए मिल रहा है. लेकिन आयरा को पता है कि गर्मी से निपटने का समाधान क्या है. फोटोज पर फैंस कमेंट भी कर रहे हैं. एक शख्स ने लिखा- आप शानदार लग रही हो. एक दूसरे शख्स ने लिखा- मुंबई की गर्मी. एक अन्य शख्स ने लिखा- इस हीट वेव में कुछ राहत.

शब्द सामर्थ्य -116

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

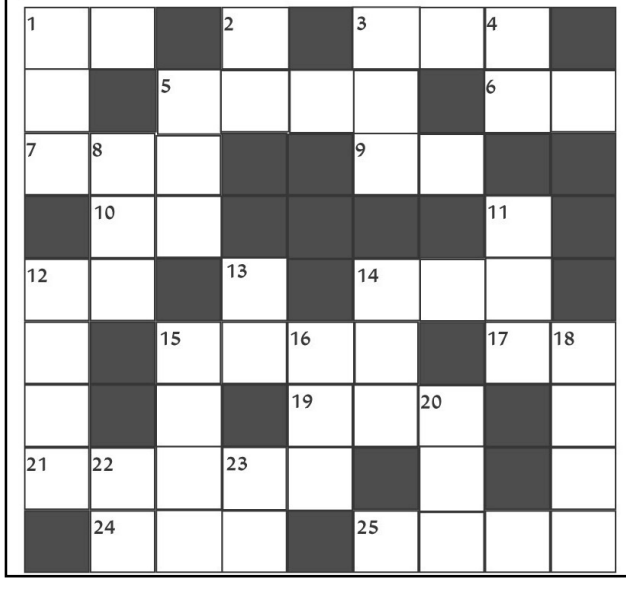

शब्द सामर्थ्य क्रमांक115का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

महेश बाबू की फिल्म सरकारु वारी पाटा का टाइटल सॉन्ग रिलीज

फिल्म डायरेक्टर परशुराम पेटला की एक्शन और एंटरटेनर फिल्म सरकारू वारी पाटा का टाइटल सॉन्ग शनिवार को रिलीज हुआ। फिल्म में तेलुगु सुपरस्टार महेश बाबू मुख्य भूमिका में हैं।

मेकर्स द्वारा रिलीज किया जाने वाला यह तीसरा और शानदार ट्रैक है। फिल्म के पहले के दो ट्रैक कलावती और पेनी को लोगों ने काफी पंसद किया था।

यह टाइटल सॉग फिल्म में महेश बाबू के चरित्र के बारे में है। गीतकार अनंत श्रीराम द्वारा लिखे गए इस गाने को हरिका नारायण ने गाया है।

म्यूजिक डायरेक्टर थमन ने ट्विटर पर लिखा, हमारे शक्तिशाली सरकारू वारी पाटा का यह ट्रैक आग है। हमारे अपने सुपरस्टार महेश और फैंस को मेरा प्यार।

यूनिट से जुड़े सूत्रों का कहना है कि पोस्ट प्रोडक्शन का काम तेजी से हो रहा है। कीर्ति सुरेश इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस हैं। फिल्म नवीन यरनेनी, वाई रविशंकर, राम अचंता और गोपीचंद अचंता द्वारा बनाई जा रही है। साथ ही निर्माण माइथरी मूवी मेकर्स, जीएमबी एंटरटेनमेंट और 14 रील्स प्लस के बैनर तले किया जा रहा है।

फिल्म की सिनेमाटोग्राफी आर माधी ने की है और एडिटिंग मार्तंड के वेंकटेश द्वारा की गई।

तब्बू, विजय वर्मा और मनोज बाजपेयी द सैंडमैन में देंगे अपनी आवाज

नील गैमन की सबसे ज्यादा बिकने वाली ग्राफिक नॉवेल सीरीज द सैंडमैन के हिंदी वेरिएंट के कलाकारों की घोषणा की गई। द सैंडमैन में तब्बू को एंकर के रूप में, विजय वर्मा को मॉर्फियस/ड्रीम की मुख्य भूमिका में, मनोज वाजपेयी को डॉक्टर डेस्टिनी के रूप में और नीरज काबी को लूसिफेर के रूप में दिखाया जाएगा।

इसके अलावा, इसमें जॉन कॉन्सटेंटाइन के रूप में आदर्श गौरव, डेथ के रूप में कुब्रा सैत, डिजायर के रूप में सुशांत दिवगीकर और कैलीओप के रूप में तिलोत्तमा शोम भी हैं।

ऑडिबल इंडिया के वीपी और कंट्री जीएम शैलेश सावलानी ने आगे बताया कि, द सैंडमैन एक सांस्कृतिक घटना है जिसने उत्साही लोगों को प्रभावित किया है। हम भारत की कुछ सबसे प्रसिद्ध, प्यारी और प्रतिष्ठित आवाजों को एक साथ लाने के लिए रोमांचित हैं। हमें विश्वास है कि प्रशंसक और श्रोता इसे पसंद करेंगे।

अवनीत कौर ने डीप नेक वन पीस ड्रेस में कराया बेहद बोल्ड फोटोशूट

टेलीविजन शो अलादीन नाम तो सुना होगा में यासमीन की भूमिका निभाने वाली अवनीत कौर की हॉट तस्वीरें इन दिनों चर्चा में बनी हुई है। ये तस्वीरें खुद अवनीत ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। आपको बता दे, अवनीत कौर सोशल मीडिया पर भी काफी फेमस है। इंस्टाग्राम पर उनके 3 करोड़ फॉलोअर्स है। वह अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती है लेकिन इस बार अवनीत ने जो फोटोज फैंस के बीच शेयर की है उसे देखने के बाद लोग उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं और तस्वीरों पर दिल खोलकर प्यार बरसा रहे है।

अवनीत कौर ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की है। अवनीत कौर ने कुल 5 तस्वीरें शेयर की हैद्य उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, आप हमारे प्यार के बीच समुद्र को ला सकते हैं लेकिन यह हमें एक-दूसरे से जुदा नहीं कर पाएगाद्य तस्वीरों में अवनीत कौर ने ब्लू कलर की डीप नेक वन पीस ड्रेस पहन रखी है। इसके अलावा उन्होंने हिल्स भी पहन रखी है। उन्होंने मेकअप कर रखा है। कैमरे के सामने अवनीत कौर द्वारा दिया गया एक-एक पोज फैंस को होश उड़ा रहा है। उन्होंने यह तस्वीरें कुछ घंटों पहले ही शेयर की गई है, जिसे खबर लिखे जाने तक 6 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। वहीं, कमेंट की तो बाढ़ ही आ गई है। कई लोगों ने इसपर दिल और आग की इमोजी शेयर की है। वहीं कई लोग और शानदार, अमेजिंग.., नाइस.., ब्यूटीफुल.., गॉर्जियस, प्रीटी, यू आर लुकिंग सो ब्यूटीफुल.. और यू आर लुकिंग हॉट जैसे कमेंट कर रहे हैं।

लाल रंग की साड़ी में काफी हॉट लग रही रुबीना दिलैक

बिग बॉस 14 विनर रुबीना दिलैक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस द्वारा शेयर की गई हर पोस्ट फैंस को काफी पसंद आती है। इसी कड़ी में रुबीना ने कुछ ऐसी दिलकश तस्वीरें इंस्टाग्रम पर शेयर की हैं जिन्हें देख फैंस तारीफें करते नहीं दिख रहे हैं। आप तस्वीरों में देख सकते हैं कि रुबीना दिलैक ने लाल रंग की साड़ी पहनी है जिसमें वो काफी हॉट लग रही हैं। रुबीना ने अपनी इस साड़ी को थाई हाई स्लिट डिजाइन में बंधा है। उनके अलग स्टाइल में साड़ी बांधने का तरीका फैंस को काफी पसंद आ रहा है। रुबीना दिलैक के फैंस उनकी इन तस्वीरों को दिल खोलकर लाइक्स कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर निया शर्मा के 7.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

अजय देवगन का गुस्सा देख साउथ एक्टर ने मांगी माफ़ी!

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने बीते बुधवार (27 अप्रैल, 2022) को कन्नड़ स्टार किच्चा सुदीप को हिंदी भाषा और हालिया रिलीज फिल्म केजीएफ- 2 पर उनके विवादास्पद बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। जी दरअसल अजय देवगन ने ट्विटर पर सवाल किया है कि, अगर हिंदी राष्ट्रीय भाषा नहीं है तो साउथ इंडस्ट्री के मेकर्स अपनी फिल्मों को हिंदी में डब करके रिलीज क्यों करते हैं? आप देख सकते हैं अजय देवगन ने ट्विटर पर किच्चा सुदीप को टैग करते हुए लिखा, मेरे भाई, आपके अनुसार अगर हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं है तो आप अपनी मातृभाषा की फ़िल्मों को हिंदी में डब करके क्यों रिलीज़ करते हैं? हिंदी हमारी मातृभाषा और राष्ट्रीय भाषा थी, है और हमेशा रहेगी। जन गण मन।

वहीँ दूसरी तरफ अजय देवगन के ट्वीट पर सुदीप किच्चा ने भी प्रतिक्रिया दी है। वह लिखते हैं, सरज मैंने उस लाइन को क्यों कहा, मेरे ख्याल से इसका संदर्भ उससे बिलकुल अलग है, जैसा कि आपने समझा है। जब मैं आपसे पर्सनली मिलूँगा तो इस बात पर डिसकस करूँगा कि मैंने वह बयान क्यों दिया था। यह बयान किसी को चोट पहुँचाने, उकसाने या कोई बहस शुरू करने के लिए नहीं था। मैं अपने देश की हर भाषा से प्यार और सम्मान करता हूँ सर। मैं चाहता हूँ कि यह टॉपिक यहीं पर खत्म हो, क्योंकि इसे अलग संदर्भ में लिया गया। इसके अलावा एक अन्य ट्वीट में उन्होंने लिखा, आपके द्वारा हिंदी में भेजे गए टेक्स्ट को मैं समझ गया। केवल इसलिए कि हम सभी ने हिंदी का सम्मान किया, प्यार किया और सीखा। यह कोई अपराध नहीं है सर, लेकिन सोच रहा था कि अगर मेरी प्रतिक्रिया कन्नड़ में टाइप की गई तो क्या स्थिति होगी।!! क्या हम भी भारत के नहीं हैं सर।

वहीँ यह पढ़ने के बाद अजय देवगन ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी। दरअसल उन्होंने एक अन्य ट्वीट कर लिखा, आप एक दोस्त हैं। गलतफहमी दूर करने के लिए धन्यवाद। मैंने हमेशा फिल्म उद्योग को एक समझा है। हम सभी भाषाओं का सम्मान करते हैं और हम उम्मीद करते हैं कि हर कोई हमारी भाषा का भी सम्मान करेगा। शायद, अनुवाद में कुछ छूट गया था। आपको बता दें कि अजय देवगन का यह ट्वीट सुदीप द्वारा फिल्म को 'पैन इंडिया फिल्म' कहकर विवाद खड़ा करने के कुछ दिनों बाद आया है। जी दरअसल कन्नड़ भाषा की फिल्म की बेहतरीन सफलता के बाद, कन्नड़ सुपरस्टार ने एक वायरल वीडियो में कहा, फिल्म कन्नड़ में बनाई गई थी और अब हिंदी राष्ट्रीय भाषा नहीं रही। वे (बॉलीवुड) भी आज पैन इंडिया फिल्म बना रहे हैं। लेकिन, वे तमिल और तेलुगू में स्ट्रगल कर रहे हैं और फिल्में नहीं चल रही हैं। आज हम (कन्नड़ फिल्म उद्योग) जो फिल्म बना रहे हैं वह हर जगह पसंद की जा रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, साल 2019 में अपनी फिल्म पेलवान के प्रमोशन के दौरान जब सुदीप से फिल्म की हिंदी में डबिंग को लेकर सवाल किया गया था तो उन्होंने कहा था कि, हिंदी राष्ट्रभाषा कैसे है। सब कुछ यहीं से शुरू हुआ, इसलिए यह हमेशा अधिक वजन रखता है। मेरे हिसाब से अन्य भाषाओं की तुलना में हिंदी बोलने वालों की संख्या अधिक है। इसलिए, हम हिंदी वर्जन को अधिक तरजीह दे रहे हैं।

पिंक ड्रेस में स्पॉट हुई कियारा आडवाणी

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और अभिनेत्री कियारा आडवाणी बीते शनिवार से बहुत चर्चाओं में बनी रहती है। खबरें उठ रही हैं कि कियारा-सिद्धार्थ का ब्रेकअप हो चुका है। हालांकि, इन सब अफवाहों पर दोनों स्टार्स ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं हो पाई है, लेकिन उनके फैंस जरूर असमंजस में पड़ चुके है। इन सब खबरों के बीच कियारा आडवाणी को हाल ही में मूवी के सेट पर स्पॉट भी किया जा चुका है, जहां से उनकी फोटोज इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं।

लुक्स के बारें में बात की जाए तो इस बीच वह पिंक ब्लेजर के साथ मैचिंग शॉर्ट्स में बहुत बोल्ड और गॉर्जियस नज़र आ रही है। इसके साथ उन्होंने मैचिंग हील्स पहन रखी है। कानों में गोल्डन इयररिंग्स और लो पोनी से कियारा ने अपने लुक को पूरा कर रखा है। ओवरऑल लुक में एक्ट्रेस की खूबसूरती देखते ही बन रही है। कैमरे के सामने सेट पर कियारा मस्तमौला सी पोज देती हुई दिखाई दे रही है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की जोड़ी मूवी शेरशाह में एक साथ दिखाई दी।

इस मूवी के उपरांत दोनों के लिंकअप की खबरें सुनने के लिए मिलने लगी थी। दोनों को कई जगह एक साथ स्पॉट भी किया जा चुका है।

हालांकि तीन वर्ष तक रिलेशन में रहने के उपरांत अब कपल के ब्रेकअप की खबरों ने फैंस का दिल तोड़ चुके है। वहीं कियारा आडवाणी की अपकमिंग मूवी के बारें में बात की जाए तो उनके पास भूल भुलैया 2, फिल्म जुग जुग जियो, गोविंदा नाम मेरा और आरसी 15 जैसी फिल्में लाइन में लगी हुई है।

दक्षिणी फिल्मों को देख बॉलीवुड ने बदली रणनीति

दक्षिण भारतीय फिल्में इन दिनों उत्तर भारतीय सिनेदर्शकों के बीच खासा चर्चित हो रही है। जिसकी वजह से हिंदी सिनेमा क्षेत्र में बाहुबली के बाद आरआरआर, केजीएफ और पुष्पा जैसी फिल्मों ने अपना खास दर्शक वर्ग बना लिया है। जिससे बॉलीवुड फिल्ममेकर्स अब परेशान हैं। पहले ही हिंदी सिनेमाई दर्शकों को लुभाने के लिए निर्माताओं को खासी मशक्कत करनी पड़ रही थी। हिंदी बेल्ट में हॉलीवुड फिल्मों से भी बॉलीवुड निर्माताओं को कड़ी टक्कर मिल रही थी। अब साउथ फिल्मों ने भी हिंदी बेल्ट में सेंध लगा दी है। ऐसे में बॉलीवुड फिल्ममेकर्स को भी अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा है। जिसके बाद बॉलीवुड फिल्म निर्माता ने भी अपनी फिल्मों को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज करना शुरू कर दिया है। इस कोशिश में निर्माताओं को कितनी सफलता हाथ लगेगी, यह देखने वाली बात होगी।

गंगूबाई काठियावाड़ी पैन इंडिया स्तर पर तो नहीं, पर यह फिल्म हिंदी के बाद तेलुगु भाषा में रिलीज होने वाली पहली फिल्म रही। हालांकि ये प्रयोग खासा सफल नहीं हुआ क्योंकि उस वक्त आलिया भट्ट की फिल्म तेलुगु सिनेमाघरों में पवन कल्याण स्टारर फिल्म भीमला नायक से भिड़ी थी।

रणवीर सिंह स्टारर निर्देशक कबीर खान की फिल्म भी एक पैन इंडिया रिलीज फिल्म थी। जिसे हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज किया गया था।

सुपरस्टार प्रभास की फिल्म आदिपुरुष भी बॉलीवुड की एक पैन इंडिया रिलीज फिल्म है। जिसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में प्रदर्शित किया जाएगा।

अदाकारा आलिया भट्ट की यह दूसरी पैन इंडिया रिलीज फिल्म होगी। इस फिल्म को निर्माता तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा में प्रदर्शित करने की तैयारी कर रहे हैं। दक्षिण भारत में इस फिल्म को प्रदर्शित करने की जिम्मेदारी निर्देशक एसएस राजामौली ने अपने ऊपर ली है। ब्रह्मास्त्र के निर्माता करण जौहर ने उनकी फिल्म बाहुबली को हिन्दी भाषा में प्रदर्शित किया था, जिसके चलते अब राजामौली करण जौहर की ब्रह्मास्त्र को दक्षिण में प्रदर्शित करेंगे।

आमिर खान स्टारर फिल्म लाल सिंह चड्ढा भी विशाल स्तर पर पैन इंडिया रिलीज होगी। इसके लिए आमिर खान पूरी शिद्दत से मेहनत कर रहे हैं। यह फिल्म अभी तक पोस्ट प्रोडक्शन फेज में है। हालांकि पहले यह फिल्म 14 अप्रैल को केजीएफ-2 के सामने प्रदर्शित होने जा रही थी लेकिन केजीएफ-2 के क्रेज को देखते हुए आमिर खान ने इसे 11 अगस्त को प्रदर्शित करने की घोषणा की है।

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर निर्देशक सिद्धार्थ आनंद की फिल्म फाइटर भी एक पैन इंडिया रिलीज फिल्म होगी। जो धुआंधार एक्शन से भरपूर होने वाली है। इस फिल्म का निर्माण स्वयं सिद्धार्थ आनन्द करने जा रहे हैं। यह उनकी ऋतिक रोशन के साथ 3री फिल्म है। इससे पहले वे उनके साथ बैंग-बैंग और वॉर नामक फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

तीजन बाई: पंडवानी को समर्पित शख्सियत

डॉ. सुधीर सक्सेना

सांझ ढल चुकी थी और आहिस्ता-आहिस्ता स्याही बस्ती पर पसर रही थी। रोशनी के नाम पर लैंपपोस्टों और घरों में रोशन बल्बों का ही सहारा था, अन्यथा बस्ती इतनी लकदक न थी कि आंखें चुंधिया जाएं। वह सन् 1978 का सर्द दिसंबर मास था। संभवत: दिसंबर का आखिरी हफ्ता। सर्दी नामालूम सी थी और फकत स्वेटर से उससे मोर्चा लिया जा सकता था। हम गुढ़ियारी में थे। यह रायपुर में रेलवे स्टेशन के आगे शहर के उलटी ओर बसी बस्ती थी। रिहायश जहां खत्म होती है, वहीं तालाब था। तालाब के किनारे एक तिकोना तंबू गड़ा था। तंबू जिस बांस की बल्ली पर गड़ा था, उस पर ठुकी कोल पर लालटेन टंगी थी, ताकत भर बजिद अंधेरे से लड़ती हुई। तंबू में जरूरत का घरेलू सामान बिखरा हुआ था = चोट खाया टिन का बक्सा। कुछेक बर्तन। मिट्टी का अस्थायी चूल्हा। थोड़ा-बहुत मेकअप का सामान, जैसे लिपिस्टिक, काजल, पावडर, बिंदी, तेल-कंघी। झींगुरों और मेंढकों की आवाज बेरोक आ रही थी। जब तब रेलपांत से रेल गुजर जाती थी। और हां, एक तंबूरा भी वहां चारपाई के सहारे टिका हुआ था।

हम एक श्यामल बरन अच्छे सौष्ठव की, पांच फुट से कुछ इंच ऊपर कद की खुशमिजाज महिला के अस्थायी डेरे पर थे। महिला की आंखों में बला की चमक थी और बात करते हुए वह जब-तब और तीक्ष्ण हो जाती थी। उसके होंठ पान की पीक से लाल थे और दांतों के किनारों पर लाल लकीरें थीं। जाहिर था कि वह पान की शौकीन है। जिस चीज ने सबसे पहले आकर्षित किया, वह था उसका गजब का आत्मविश्वास। झिझक से उसका वास्ता न था। याद पड़ता है कि वह चटख लाल रंग की साड़ी पहने थी, बेमेल ब्लाउज के साथ। चटख बिंदी। चांदी के थोड़े से आभूषण। करीने से काढ़े हुए केश। वह हंसती तो उसके दांत चमकते थे और साथ ही चमकता था उसका बिंदासपन। कोई बात काबिले-दाद होती तो वह बखुद अपनी जांघ पर थाप देकर आनंदित हो लेती थी।

तंबू में खटिया पर सामने बैठी इस साधारण छत्तीसगढ़िया औरत का 'कांफिडेंस-लेवल' औसत से काफी ऊंचा था और वह बातचीत में बरबस छलकता था। वही हुआ। देखते ही देखते वह लोककला के परिदृश्य में छा गयी। उसने सरहदें लांघी और उसकी ख्याति ने दिशायें। एक दशक के भीतर वह सेलिब्रिटी थी। सन् 1988 में उसे पद्मश्री से नवाजा गया। फिर तो पदकों की झड़ी लग गयी। यह वह स्त्री थी, जिसने आकाशवाणी से बतौर पारिश्रमिक पहला चेक लिया तो पावती में हस्ताक्षर न कर अंगूठा लगाया था। उस रात गुढ़ियारी में पहला दफा रूबरू हुई यह स्त्री थी तीजनबाई। वह आज भी हमारे बीच हैं। इस 24 अप्रैल को वह 66 साल की हो जायेगी। अब वह दादी मां हैं। उसकी ख्याति भी लंबा सफर तय कर चुकी है। सन् 2003 में उसे पद्मभूषण मिला और सन् 2019 में भारत के महामहिम राष्ट्रपति के हाथों पद्मविभूषण। पद्म पुरस्कारों से उसका सम्मान उस लोक कला का भी सम्मान है, जिसे उसने तमाम तकलीफें उठाकर निबाहा। रायपुर में गुढ़ियारी में सर्द दिसंबर में लालटेन की धुंधली रोशनी में लिया गया वह इंटरव्यू उसकी जिंदगी का पहला साक्षात्कार था। इस इंटरव्यू के निमित्त बने थे लोककला मर्मज्ञ निरंजन महावर। इंटरव्यू 'नवभारत', रायपुर में छपा था। उसकी कतरन मेरी बेतरतीब फाइलों के जखीरे में कहीं सुरक्षित है। जस की तस तो नहीं, मगर उसकी कही कुछ बातें स्मृति में हैं।

तीजन का जन्मगांव इस्पात नगरी भिलाई से अनतिदूर है। जीरोमाइल से 14 किमी दूर गनियारी को अब भिलाई में ही मानिये। पिता चुनुक लाल। मां सुखमती। पांच भाई-बहनों में सबसे बड़ी। जाति की पारधी। उस अंत्यज समाज की जो मूलत: राजपूत समाज से संबद्ध होने के बावजूद जनजातियों में परिगणित है और आखेट तथा पक्षियों को पकड़ने के लिए जानी जाती है। पारधी परिन्दों को पकड़ने के लिए भांति-भांति के जाल या फंदे बुनने में निपुण होते हैं। बहरहाल महाराष्ट्र-गुजरात की अपेक्षा छत्तीसगढ़ में इनकी आबादी कम है। कई दशकों तक जरायमपेशों में शुमार पारधी अब घुमंतू जनजाति है। वे झाड़ू-चटाई, टोकरी आदि अच्छी बना लेते हैं। विडंबना देखिये कि जब जात-बाहर विवाह के कारण तीजन पारधी-समाज से निष्कासित हुई तो यही पेशा गांव के बाहर झोपड़ी बनाकर बर्तन-नाज-मांग-मूंगकर जीवनयापन में उसके काम आया, मगर यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं रही। कला ने उसे दो जून की रोटी दी, नौकरी दी, सम्मान और प्रतिष्ठा दी और उसे उस पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया, जहां तक पहुंचना विपन्न और हत्भाग्य पारधियों के लिए ख्वाब में भी दूभर था।

तीजन को पंडवानी विरासत में मिली। मातृकुल से। उसके नाना बृजलाल पारधी पंडवानी कहते थे। बालपने में तीजन ने नाना से पंडवानी सुनी और वह उसे कंठस्थ हो गयी। तेरह की वय में समीपवर्ती गांव चंदखुरी में उसे पहली बार पंडवानी गायन का मौका मिला। दक्षिणा या चढ़ावे में मिले दस रुपये उसकी पहली कमाई थी। सवर्ण, विशेषत: ब्राह्मण रुष्ट हुए कि एक तो स्त्री और फिर पारधी होकर पवित्र कथा का वाचन। विरोध, लांछन, वर्जना का दौर चला। तीजन में हठ भी था और भगवान कृष्ण में अटूट भक्ति भी। वे उसके स्वप्न में आते थे। जीवन कष्टों से बिंधा था। पहले पति से अलग हुई। दूसरा पति जालिम निकला। वह अक्सर उसकी पिटाई करता था। तीजन ने पीड़ा-प्रताड़ना सही लेकिन पंडवानी नहीं छोड़ी। पंडवानी में ही उसकी मुक्ति थी, पीड़ा से भी, दैन्य से भी, वर्जनाओं से भी। पंडवानी ही उसे स्याह बोगदे के बाहर उस ठौर ले गयी, जहां खुली हवा थी, रोशनी थी और उसे सराहती हुई एक बड़ी दुनिया थी।

तीजन निरक्षर हैं। बड़े-बड़े हरूफ में दस्तखत करना उसने सीख लिया है। अनपढ़ होने का उसे मलाल नहीं है। उसके तईं सब प्रभु की माया है। मोरपंखजड़ा तंबूरा उसका वाद्ययंत्र है, आयुध भी और साथी भी। तंबूरा हाथ में आते ही उसमें ओज आ जाता है। सन् 80 के दशक में उस पर रंगकर्मी हबीब तनवीर की निगाह पड़ी। कला-गुरू को कलासाधिका की प्रतिभा चीन्हते देर न लगी। वह भारत महोत्सव में गयी। दिल्ली में श्रीमती इंदिरा गांधी के सम्मुख उसने पंडवानी प्रस्तुत की। उसे जगह-जगह से न्यौता मिला। दिशायें गौण हो गयीं। वह फ्रांस, जर्मनी, मॉरीशस, तुर्की, रोमानिया, बांग्लादेश और स्विट्जरलैंड गयी ही, माल्टा, ट्यूनीशिया और साइप्रस भी हो आई। फ्रांस उसे सर्वप्रिय है। वहां वह कई बार हो आई हैं। उसके हिसाब से इवनिंग इन पेरिस का जवाब नहीं। पहली फ्रांस यात्रा के बाद उसने 'आई-ब्रो' (भौहे) बनाना सीख लिया है। आधुनिक सौन्दर्य प्रसाधन भी उसके जीवन में आ गये हैं। तुलसीराम देशमुख में उसे पति मिला और साथी भी। पेटी (हार्मोनियम) वादक देशमुख उसके कामों में हाथ भी बंटाते थे और उसे साइकिल से भिलाई इस्पात संयंत्र के उसके दफ्तर भी छोड़ आते थे।

''हमारे यहां पढ़ाई का कोई रिवाज न था''- तीजन ने कहा था-''मैं पढ़ी होती तो शायद पंडवानी गायिका नहीं बनती। बहुत दुःख झेले, लेकिन सरस्वती मैया की कृपा कि पंडवानी मेरी जिंदगी हो गयी। सब उसी का दिया है।'' तीजन अपने पति को 'मिस्टर' कहती है। गोदरेज का 'डाई' (खिजाब) उसे भाता है। पान के बिना वह रह नहीं सकती। बंगला पान उसे पसंद है, अलबत्ता लवंग-इलायची युक्त सादा पत्ता भी चाव से चबाती है। अचार की वह शौकीन है। खासकर आम का अचार। वह ठेठ छत्तीसगढ़िया है। एक जून बोरे बासी और चटनी उसकी आहारचर्या है। तीजन के जीवन-वृत्त में पदकों की लंबी तालिका है। उसे देवी अहिल्या सम्मान मिला और संगीत नाटक अकादेमी का पुरस्कार भी। सन् 2016 में उसे एस. सुब्बलक्ष्मी शताब्दी पुरस्कार मिला और 2018 में फुकुओका पुरस्कार। उसे ईसुरी पुरस्कार से भी नवाजा गया।

सू- दोकू क्र.116

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.115 का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

नव संकल्प से पहले

अन्ना आंदोलन के दिनों में कांग्रेस की प्रतिक्रिया जैसी बिखरी और दिशाहीन नजर आई, उससे यह और साफ हो गया कि पार्टी किसी वैचारिक हमले का सामना करने में अक्षम है। अगर उदयपुर में पार्टी नेता इसके कारणों और समाधान पर सोच पाए, तो वहां से पार्टी के पुनर्उदय की शुरुआत हो सकती है।

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर के कांग्रेस में शामिल होने को लेकर बात किस मुद्दे पर बिगड़ी, इस बार में कई कयास लगाए गए हैँ। संभवत: किशोर की महत्त्वाकांक्षा और कांग्रेस नेतृत्व की नजर में उनकी उपयोगिता के बीच तालमेल नहीं बैठ पाया। बहरहाल, इसके पहले प्रशांत किशोर ने लगभग 600 स्लाइड्स के जरिए कांग्रेस नेतृत्व को पार्टी की कमियां बताईं और सुधार के उपाय भी सुझाए। इस बारे में मीडिया में जो जानकारी आई है, उसके आधार पर कहा जा सकता है कि किशोर के प्रेजेंटेशन के एक बड़े हिस्से में दम है। अब कांग्रेस के नेता 13 से 15 मई तक राजस्थान के उदयपुर में नव संकल्प चिंतन शिविर संभवत: इन बिंदुओं पर विचार करेंगे। उसके बाद शायद पार्टी के पुनरुद्धार का 'नव संकल्प' लिया जाएगा। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने के पहले कांग्रेस नेताओं को यह आत्म-चिंतन जरूर करना चाहिए कि आज देश का कोई बड़ा तबका कांग्रेस के साथ दिली लगाव महसूस क्यों नहीं करता है? एक समय कांग्रेस और उसके नेता देश के लोगों के मन पर राज करते थे। तब देश पर भी पार्टी का राज था। लेकिन ये कड़ी आखिर कहां और क्यों टूटी?

कांग्रेस नेता सचमुच इसकी पड़ताल करें, तो स्वंय उन्हें राजनीति के प्रति अपने संपूर्ण नजरिए में परिवर्तन की जरूरत महसूस होगी। सरकार चलाना सिर्फ प्रबंधकीय कौशल का काम नहीं है। राजनीति असल में लोगों की कल्पनाशीलता को आकर्षित करने, उनकी भावनाओं से तालमेल बनाने, और उनमें बेहतर भविष्य का सपना जगाने की कला है। जबकि इंदिरा गांधी के बाद के दौर में कांग्रेस इस जमीन पर अस्तित्वहीन होती चली गई है। उसने अपने को टेक्नोक्रेटिक पार्टी बना लिया है। इसलिए ये छवि मजबूत होती गई है कि कांग्रेस दरअसल अपना हित साधने वाले नेताओं का यह गुट है, जो मुमकिन है कि अर्थव्यवस्था के प्रबंधन में काबिल हो, लेकिन जो किसी बड़े उद्देश्य या व्यापक जन हितों का प्रतिनिधित्व नहीं करती। अन्ना आंदोलन के दिनों में कांग्रेस की प्रतिक्रिया जैसी बिखरी और दिशाहीन नजर आई, उससे यह और साफ हो गया कि पार्टी किसी वैचारिक हमले का सामना करने में अक्षम है। अगर उदयपुर में पार्टी नेता इसके कारणों और समाधान पर सोच पाए, तो वहां से पार्टी के पुनर्उदय की शुरुआत हो सकती है। वरना, गिरावट की रफ्तार और तेज होती चली जाएगी। (आरएनएस)

नेटफिलक्स पर आ रहा है चांद, देखने के लिए हो जाइए तैयार

कुछ समय पहले रिलीज हुई फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को अब तक फैंस का काफी प्यार मिला है और अब फिल्म ओटीटी पर अपना जलवा बिखेरने के लिए तैयार है। जी हाँ, संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने बड़े पर्दे पर अपना झंडा लहराया और अब यह ओटीटी पर अपना दबदबा कायम करने के लिए आ रही है। फिल्म को देखने के बाद आलिया भट्ट की एक्टिंग की जमकर तारीफ की गई थी। जी हाँ और फिल्म को देखकर कई लोगों का कहना रहा कि इसमें आलिया ने अपनी जान झोंक दी है। जी दरअसल एक्ट्रेस ने इस फिल्म में एक ऐसा किरदार निभाया है जिसको करने में हर कोई हिचकिचाता है। इसी के चलते कई लोगों ने आलिया को ट्रोल भी किया। वैसे फिल्म में आलिया ने वेश्या से एक समाजसेविका बनने तक का रोल प्ले किया था, जिन्हें कमाठीपुरा का चांद कहा जाता था। जी हाँ और ये फिल्म एक सच्ची कहानी पर बनाई गई थी। अब बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के बाद अब ये फिल्म ओटीटी पर भी रिलीज हो रही है। जी दरअसल इस बात की जानकारी नेटफ्लिक्स ने कुछ वक्त पहले ही पोस्ट करके दे दी थी। आप देख सकते हैं नेटफ्लिक्स के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल से इस बात की पुष्टि की गई थी। जी हाँ और इस जानकारी के साथ ही नेटफ्लिक्स ने फिल्म का एक वीडियो भी जारी किया था और लिखा गया था- देखो। देखो चांद नेटफ्लिक्स पर आ रहा है।

गौवंश तस्करी में एक गिरफ्तार, भेजा जेल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गौवंश तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने कल देर शाम एक गौंवश व तस्करी में प्रयुक्त वाहन सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना भगवानपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक गौंवश तस्कर गौवंश की तस्करी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को तेज्जुपूर रोड़ पर एक संदिग्धवाहन (छोटा हाथी) आता हुआ दिखायी दिया। जिसे पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो वाहन चालक अपने वाहन को तेजी से आगे बढाने लगा शक होने पर पुलिस द्वारा उक्त वाहन को पकड़ कर थाने लाया गया। जहां पूछताछ में उक्त व्यक्ति द्वारा अपना नाम सईद पुत्र हमीद निवासी बिलासपुर थाना देवबन्द जिला सहारनपुर बताया। बताया कि वाहन में एक जिन्दा गाय गौकशी के लिये ले जायी जा रही थी। जिसे पुलिस ने बरामद कर लिया है। बहरहाल पुलिस ने उसे सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

कांडा और भिंगराड़ा गांव में गहराया पेयजल संकट

चम्पावत (आरएनएस)। जिला मुख्यालय के कांडा और लधिया घाटी के भिंगराड़ा गांव में पेयजल संकट गहरा गया है। दोनों ही गांवों में बीते कई दिनों से पानी की आपूर्ति नहीं हो सकी है। इस वजह से यहां के लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं।

जिला मुख्यालय से सटे कांडा गांव के ग्रामीण पेयजल के लिए तरस रहे हैं। स्थानीय निवासी चंचला देवी, रेखा देवी, गंगा देवी, भवानी देवी, भैरव सिंह हिमांशु जोशी, गोपाल गिरी, राम गिरी और केशव सिंह ने कहा गांव में पिछले कई दिनों से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। लोग पानी के लिए हैंडपंप और नौलों पर आश्रित हैं। ग्रामीणों ने शीघ्र पेयजल व्यवस्था में सुधार की मांग की है। जल संस्थान के सहायक अभियंता परमानंद पुनेठा ने कहा शीघ्र समस्या का समाधान किया जाएगा। इधर, लधिया घाटी के भिंगराड़ा में भी पेयजल संकट बना हुआ है। क

गंगोत्री-यमुनोत्री धाम के कपाट खुले

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

को निकाल पड़ती हैं। गंगोत्री पहुंचते पहुंचते यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हो जाते हैं। माँ गंगा के जयकारों व उदघोष के ढोल नगाड़ों व सेना के बैंड की ध ुन व शंखनाद के साथ साथ समूची गंगोत्री घाटी व हिमालय गूँज उठता है। समूचा धार्मिक वातावरण अति शोभायमान हो जाता है।

गंगोत्री पहुंचते ही माँ गंगा के जयकारों के साथ गंगोत्री में वहाँ पहले से ही मौजूद हजारों श्रद्धालु माँ गंगा जी की शोभा यात्रा का माँ गंगा जी के जयकारों के साथ धूप अगरबत्ती फूल मालाओं से स्वागत करते हैं।

गंगोत्री मुख्य मंदिर में पहुंचने के बाद सर्वप्रथम उत्सव डोली भव्य शोभायात्रा माँ गँगा की बहती निर्मल, अविरल, दिव्य धारा में पूजा स्नान के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना व माँ गंगा की स्तुति की जाती है। इसी के साथ यात्रा जत्था माँ गंगा जी के तट पर विराजमान भागीरथ शिला की पूजा की जाती है।

इन सबके बाद मुख्य गंगोत्री मंदिर प्रांगण में मां गँगा जी की भव्य स्तुति गान, पूजा, अनुष्ठान, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया जाता है। पूजा समापन के साथ ही गंगोत्री मुख्य मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिये जाते हैं। कपाट खुलने के पलों का हजारों श्रद्धालु साक्षात बनने की होड़ में रहते हैं। कपाट खुलते ही माँ गँगा जी की डोली व भोगमूर्ति मंदिर के गर्भगृह में स्थापित की जाती हैं। बता दें कि गंगोत्री मुख्य मंदिर में माँ गंगा जी की विशाल शिला मूर्ति पहले से ही विराजमान रहती हैं। कपाट खुलने व कपाट बंद होने पर गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ व बद्रीनाथ जी की भोगमूर्ति ही अपने शीतकालीन मंदिरों में पूजी जाती हैं।

कठिन परिस्थितियों में रहने वाले सीमांत के शिक्षक लेंगे एक गांव को गोदः मर्तोलिया

नगर संवाददाता

मुनस्यारी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया की पहल पर पहली बार आयोजित बैठक में तय किया गया है कि सरकारी शिक्षक अब एक गांव को गोद लेकर शिक्षा, समाज, सांस्कृतिक मूल्यों पर होने वाले इस अनूठे अभियान को आगे बढ़ाएंगे। सरकारी विद्यालयों में बच्चों को आकर्षित करने के लिए नए नवाचार के आयाम स्थापित किए जाएंगे। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने तथा लंबे ठहराव वाले शिक्षकों को समय-समय पर जिला पंचायत सदस्य सम्मान से नवाजा जाएगा।

ब्लॉक संसाधन केंद्र के सभागार में आयोजित परिचयात्मक बैठक में जिला पंचायत सरमोली वार्ड के 25 ग्राम पंचायतों के सरकारी विद्यालयों में तैनात शिक्षकों ने भाग लिया।

खंड शिक्षा अधिकारी हेमचंद्र कश्यप ने बैठक के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं के लिए समय-समय पर विभिन्न क्रियाकलापों को आयोजित कर शिक्षा को रोचक बनाने के लिए अपना योगदान दे।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि कोविड-19 के कारण दो साल पहले शुरू होने वाला यह अभियान आज शुरू हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि दो साल के भीतर सरकारी विद्यालयों को इस नवाचार के द्वारा नए मुकाम पर पहुंचाया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक विद्यालय में अभिभावकों एवं छात्रों की चॉकलेट बैठक की जाएगी। कहा कि 25 ग्राम पंचायतों में अध्ययन एवं संस्कार केंद्र खोले जा रहे है, जो समुदाय के सहयोग से संचालित होगा। प्रत्येक विद्यार्थी का हेल्थ कार्ड बनाया जाएगा। ताकि कुपोषण से बच्चों को बचाया जा सके। इसके साथ ही 25 ग्राम पंचायतों में अध्ययन एवं अन्य क्रियाकलापों सहित अत्यधिक ठहराव वाले प्राथमिक,माध्यमिक, जूनियर के शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी शिक्षा तथा सरकारी नौकरियों को बचाने के लिए हमें कुछ हटकर कार्य करना होगा। कहा कि क्षेत्र के विद्यालयों के लिए शिक्षक एवं शैक्षिक गतिविधियों के लिए बजट लाने के लिए क्षेत्रीय विधायक हरीश धामी तथा सांसद अजय टम्टा का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अनूठे अभियान से जनप्रतिनिधियों को भी जोड़ा जा रहा है। बैठक में राजकीय प्राथमिक विद्यालय कवाधार, धापा, तिकसैन के अध्यापकों में अपने विद्यालय के छात्रों द्वारा राजीव नवोदय विद्यालयों में चयन होने के अनुभवों को साझा किया।

इस मौके पर तय किया गया है कि 25 ग्राम पंचायतों के शिक्षक एक एक गांव को गोद लेकर उन गांवों में शिक्षा, समाज तथा सांस्कृतिक मूल्यों के विषयों पर जन जागरण अपने हाथों में लेकर करेंगे। इसके लिए शिक्षकों से गांव का चयन स्वेच्छा से किए जाने की अपील की गई है। इस मौके पर राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अनिल कुमार, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज नमजला की प्रधानाचार्य नीमा आर्या सहित विभिन्न विद्यालयों की प्रधानाध्यापक सहित शिक्षकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

चम्पावत पालिका क्षेत्र में शुरू हुआ सर्वे कार्य

चम्पावत (आरएनएस)। चम्पावत पालिका क्षेत्र में शहरी विकास विभाग की टीम ने सर्वे शुरू कर दिया है। टीम के सदस्यों ने स्मार्ट सिटी बनाने के लिए नगर के कई हिस्सों में सर्वे किया। इससे पूर्व टीम पालिका सभासदों से इस संबंध में विचार विमर्श कर चुकी है। शहरी विकास विभाग की तकनीकि टीम ने सोमवार को नगर की भौगोलिक, पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक ओर तकनीकि स्थितियों का जायजा लिया। टीम ने पेयजल और सीवर स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं को सुधारने की संभावनाओं को टटोला।

तकनीकि सर्वेक्षण टीम के इंजीनियर काशीनाथ हलधर ने बताया कि नगर क्षेत्र में कई स्थानों पर सेप्टिक टैंक लीक होने से गंदा पानी खुली नालियों में बहने से जल प्रदूषण हो रहा है। इससे बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

उन्होंने बताया कि सीवरेज नेटवर्क के स्थान पर फीकल स्लज प्रबंधन तकनीकि का उपयोग किया जाएगा।

नेताजी संघर्ष समिति ने किया ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन

देहरादून (संवाददाता)। नेताजी संघर्ष समिति के तत्वाधान में सेवला कलां में ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी आपसी भाईचारे के साथ ईद का त्यौहार मनाया।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के तत्वधान में समिति के प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी के सेवला कलां स्थित निवास स्थान पर ईद मिलन का कार्यक्रम हुआ। जिसमें सभी धर्म वर्ग के लोगों ने मिलकर शिरकत की। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री आभा बड़थ्वाल ने कहा कि एक महीने के कठिन परिश्रम रोजे रखने के बाद खुशी का पैगाम लेकर ईद आती है ये ईद हमे प्यार से मिलकर रहना सिखाती है इस दिन आपसी सोहार्द माहौल देखने को मिलता है हमे चाहिए हम सब लोग मिलकर रहें और देश की तरक्की में अपना योगदान दें। इस अवसर

पर नेताजी संघर्ष समिति के केंद्रीय अध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता को याद किया गया जिनका स्वर्गवास कुछ दिन पहले हुआ है इस बार वह ईद की खुशी में मौजूद नहीं है सभी ने उनको याद किया।

प्रोग्राम के आयोजक आरिफ वारसी ने कहा कि आज ईद के साथ हिन्दू भाइयों के तोहार परशुराम जयंती और अक्षय तृतीया भी होने के कारण खुशी ओर भी ज्यादा बढ़ गई है। वारसी ने सभी आये मेहमानों का खजूरों और शीर सिवई ,मिष्ठान से स्वागत किया और मुबारकबाद पेश की ईद पर एक दूसरे से मिलकर बधाइयां देने का कार्यक्रम चलता रहा। कार्यक्रम में प्रभात डंडरियाल,आरिफ वारसी,अरुण खरबंदा,मनोज नेगी,विक्रम शर्मा,रवि राज,अय्यूब खान, दिलेर सिंह, रामकुमार सोनी, राजेन्द्र आहूजा, वाहिद, सादिक,सालार, जैद, उजैर, साइम सहित काफी लोग शामिल रहे।

एक नजर

फूट डालो-राज करो की नीति अच्छी नहीं: ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को ईद पर एक कार्यक्रम में केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल सांप्रदायिक भाईचारे के मामले में देश के लिए एक मिसाल कायम करता है। बंगाल में दिखाई जा रही एकता देश में कोई और जगह ऐसी मिसाल कायम नहीं कर रही है। इसलिए वे ईर्ष्यालु हैं। और इसलिए वे हमें गाली देते हैं। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि देश में स्थिति सही नहीं है। फूट डालो और राज करो की नीति और देश

में चल रही अलगाव की राजनीति सही नहीं है। भयभीत न हों और लड़ाई जारी रखें। वहीं, बारिश के पानी से भीगी रेड रोड पर ईद–उल–फ़ित्र की नमाज में शामिल हुई बनर्जी ने वहां एकत्रित लोगों से भयभीत ना होने और बेहतर भविष्य के लिए एकजुट होने का आग्रह किया। रेड रोड पर ईद की नमाज के लिए एकत्र हुए लगभग १४,००० लोगों को संबोधित कर रहीं बनर्जी ने उन्हें आश्वासन दिया कि न तो मैं, न ही मेरी पार्टी और न ही मेरी सरकार ऐसा कुछ भी करेगी जिससे आप दुखी हों।

ट्रेन रोक शराब पीने चला गया ड्राइवर, घंटे भर खड़ी रही रेलगाड़ी!

समस्तीपुर। शराबबंदी वाले बिहार में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। समस्तीपुर–खगड़िया रेलखंड के हसनपुर रोड रेलवे स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेन खड़ी कर उसका ड्राइवर शराब पीने चला गया। इस वजह से करीब घंटे भर ट्रेन खड़ी रही। काफी देर बाद भी जब ट्रेन नहीं खुली तो यात्रियों ने हंगामा शुरू कर दिया। इसके बाद जीआरपी की टीम पहुंची और उप चालक की खोज शुरू हुई। थोड़ी ही देर में पता चल गया कि वह शराब के नशे में स्टेशन रोड पर दुर्गा मंदिर के पास है। इसके बाद जीआरपी की टीम ने उसे गिरफ्तार किया थाने ले आई। उप चालक के पास से शराब की बोतल भी बरामद हुई है। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर स्टेशन अधीक्षक ने बताया कि इसी सवारी गाड़ी में सहरसा के ट्रेन चालक ऋतुराज कुमार भी सफर कर रहे हैं। उनसे विशेष आग्रह किया गया और फिर उन्होंने उप चालक की भूमिका निभाई और ट्रेन को रवाना किया जा सका। सवारी गाड़ी करीब एक घंटा देर से शाम ०६.४७ बजे हसनपुर रोड स्टेशन से खुली।

यूपी के संभल में हुई हिंसक झड़प, फायरिंग में 3 लोग हुए जख्मी

लखनऊ । देश में जगह–जगह हुई सांप्रदायिक हिंसाओं की खबरों के बीच आज ईद–उल–फित्र के मौके पर उत्तर प्रदेश के संभल जिले में भी झड़प हुई, यह हिंसक झड़प एक ही समुदाय के २ गुटों के बीच हुई है। इस दौरान हुई फायरिंग में ३ लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है। यूपी पुलिस के मुताबिक यह झड़प पैसों के कारण हुई फिर दोनों गुटों की

और से पथराव किया गया। संभल के एसपी चक्रेश मिश्रा ने बताया कि यह हिंसा सदिरनपुर के असमोली गांव में हुई है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि तीनों घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है, सभी की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। घटनासथल पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है, अभी संभल में स्थिति कण्ट्रोल में है और पुलिस की जांच भी लगातार जारी है। बता दें कि ईद के मौके पर राजस्थान के जोधपुर में भी हिंसा फैल गई है। ईद की नमाज के बाद कुछ लोग इकठ्ठा हुए और एक बार फिर से पत्थरबाजी शुरू हुई। पुलिस ने स्थिति को काबू करने के लिए एक बार फिर से लाठीचार्ज किया और हालत पर काबू पाया। इलाके में प्रशासन स्थिति को देखते हुए कर्फ्यू भी लगा सकता है।दरअसल कल रात को जोधपुर के जालोरी गेट चौराहे पर धार्मिक झंडा हटाने को लेकर दो पक्षों के बीच बहस हुई जिसके बाद विवाद बढ़ गया और स्थिति पथराव में बदल गई। दोनों ओर से हो रहे पथराव में एसएचओ समेत कई पुलिसकर्मी व अन्य लोग घायल हो गए।

देश में अमन चैन की दुआ के साथ मनाया गया ईद-उल-फितर का त्यौहार

संवाददाता

देहरादून। देश में अमन चैन आपसी भाईचारे की दुआ के साथ हर्षोल्लास के साथ ईद-उल-फितर का त्यौहार मनाया गया इस दौरान सभी ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दे एक दूसरे का मुंह मीठा कराया।

आज यहां सुबह शहर ईदगाह में मुस्लिम समाज के लोग एकत्रित हुए जहां पर शहर काजी मौहम्मद अहमद कासमी ने देश में अमन चैन व आपसी भाईचारे की दुआ के साथ साढे आठ बजे नमाज अता करायी। जिसके बाद सभी ने एक दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा के कडे इंतजाम किये हुए थे। एसपी सिटी सरिता डोभाल, सीओ सिटी, सिटी मजिस्ट्रेट ईदगाह पर मौजूद थे।

पुलिस अधिकारियों ने भी सभी को ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान शहर का रूट डायवर्ड किया गया था। घंटाघर से चकराता रोड की तरफ किसी भी वाहन को नहीं जाने दिया गया, दर्शनलाल चौक से घंटाघर होते हुए कैण्ट व बल्लूपुर जाने वाले वाहनों को राजपुर रोड की तरफ डायवर्ड किया गया उक्त वाहनों को राजपुर रोड से न्यू कैण्ट रोड से होते हुए बल्लुपुर की ओर भेजा गया। किशन नगर चौक से शहर की तरफ आने वाले यातायात को कैण्ट कौलागढ होते हुए दिलाराम, बल्लूपुर चौक की तरफ डायवर्ड किया गया।

इसके बाद ईसी रोड मस्जिद में सुबह आठ बजे नमाज अता की गयी तो वहीं भगत सिंह कालोनी की मस्जिद में सुबह सात बजे नमाज अता करायी गयी। पल्टन बाजार स्थित जामा मस्जिद में सुबह नौ बजे आपसी भाई चारे की दुआ के साथ नमाज अता करायी गयी। इस दौरान भी शहर के बीच का रूट डायवर्ड किया गया था।

सुभाष रोड क्लेमनटाउन की ईदगाह में भी नमाज के दौरान रूट डायवर्ड किया गया था बाहर से आने वाले वाहनों को चन्द्रबनी चौक से वाइल्ड लाईफ की ओर डायवर्ट कर दिया गया। शहर भर में ईद के त्यौहार को सभी वर्गो ने एक दूसरे को गले लगाकर मिलजुलकर हर्षोल्लास के साथ मनाया तथा आपसी भाईचारा कायम रहने की दुआ मांगी।

केदारनाथ हैलीकाप्टर बुकिंग के नाम पर ठगे 56 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। केदारनाथ हैलीकाप्टर बुकिंग के नाम पर 56 हजार रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जोगीवाला निवासी दीपक जोशी ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने केदारनाथ में हैलीकाप्टर बुकिंग के लिए गूगल पर हैलीकाप्टर बुकिंग सर्च किया तो वहां से प्राप्त वेबसाइड पर सर्च किया तो उसको एक मोबाइल नम्बर मिला जिसपर उसने फोन किया तो फोन उठाने वाले ने स्वंय को वेबसाइड का कर्मचारी बताया तथा उसको एप लोड करने के लिए कहा गया। जैसे ही उसने एप लोड किया उसके खाते से 56 हजार 943 रूपये निकल गये। जिसका बैंक से मैसेज आने के बाद उसने उक्त नम्बर पर सम्पर्क किया तो वह नम्बर बंद मिला। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ ठगी हो गयी है।

महिला की मौत पर पति सहित तीन नामजद

देहरादून (सं)। महिला की मौत पर पति, सास-ससुर के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिजनौर निवासी संजय कुमार ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके मामा की बेटी का विवाह बिजनौर निवासी चरण सिंह के पुत्र शिवा भारती के साथ हुआ था। विवाह के बाद शिवा भारती उसकी बहन को लेकर सेलाकुई आ गया था। उसने बताया कि उसकी बहन को उसका पति सास व ससुर परेशान करते थे तथा आये दिन उसको दहेज के लिए प्रताडित किया जाता था जिससे तंग आकर उसने आत्महत्या कर ली। उसकी आत्महत्या करने का कारण उसकी बहन का पति व सास, ससुर है।

दो वाहनों की टक्कर में छह लोग घायल

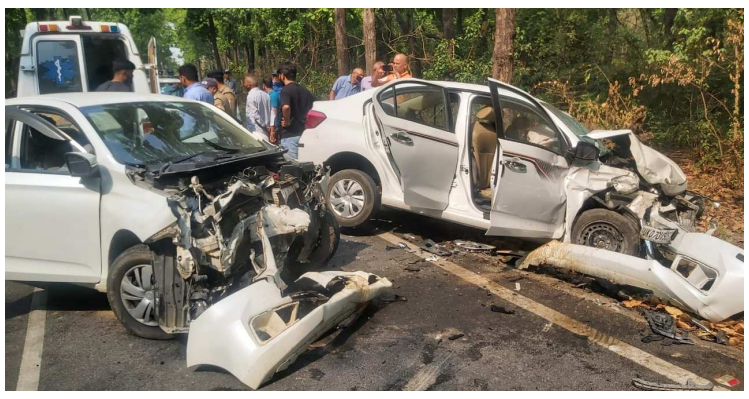

संवाददाता

देहरादून। दो वाहनों की टक्कर से छह लोग घायल हो गये जिनको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रात: डोईवाला कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि थानों रोड पर दो कारों की टक्कर हो गयी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने देखा कि दोनों कारें होण्डा अमेज एचआर 35 क्यू 3344 व यूके 07 डीयू 9057 आपस में टकरा गयी जिसमें छह लोग घायल हो गये। पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से सभी घायलों को कारों से बाहर निकालकर 108 की मदद से अस्पताल पहुंचाया।

घायलों में सुनीत सिंह, दीपेन्द्र, दीपक व हेमंत सभी निवासी हरियाणा व कात्यानी डिमरी निवासी माजरा व अनुराग त्रिपाठी निवासी जोगीवाला घायल हुए। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगा रही है।

फांसी लगाकर की आत्महत्या

देहरादून (सं)। एक व्यक्ति ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रात: रानीपोखरी थाना पुलिस को ग्राम इठरना के प्रधान ने फोन पर सूचना दी कि गांव के एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार अजय सिंह रावत पुत्र वीर सिंह रावत द्वारा रात्रि में अपने घर के अन्दर कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। परिजनों से जानकारी करने पर पता चला कि मृतक रात्रि में गांव में ही एक शादी समारोह में सम्मिलित होकर 12 बजे रात्रि में घर वापस आया था। सुबह जब दरवाजा नहीं खोला तो दरवाजा तोडकर देखा तो अजय रावत द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर रखी थी। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल सका।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।